P2290

RAN-1801130301040001

RAN-1801130301040001

M.A. (Sem. I) Examination November - 2025

Hindi

Modern Hindi Poetry - Kamayani & Jaydrathvadh

[Total Marks: 50

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book
(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाये गए हैं।

Seat No.:

Student's Signature

प्रश्न–1. **निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।** **10**

1) 'कामायनी' की कथा के प्रमुख चार बिंदु कौन से है?
2) 'कामायनी' के पात्र किसके प्रतीक है?
3) 'कामायनी' में प्रसादजी ने मनु को कैसे पुरुष के रूप में चित्रित किया है?
4) अभिमन्यु में कौन कौन से गुण विद्यमान है?
5) दुर्योधन का परिचय दीजिए।
6) स्वर्ग में लक्ष्मीजी ने अभिमन्यु को क्या प्रदान किया?
7) जयद्रथ का कवच बनकर कौन खडे थे?

प्रश्न–2. 'कामायनी' में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है – इस विधान की स्पष्टता कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न–2. इडा की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

प्रश्न–3. खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ वध' का मूल्यांकन कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न–3. जयद्रथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

प्रश्न–4.(अ) **टिप्पणी लिखिए। (किन्हीं दो)** **07**

(1) छायावाद का ऐतिहासिक महत्व

अथवा

(1) 'जयद्रथ वध' काव्य के गौण पात्र

(ब) संदर्भ लिखिए **07**

(1) ''यज्ञ समाप्त हो चुका तो भी,
धधक रही थी ज्वाला।
दारुण दृश्य! रुधिर के छींटे!
अस्थि खंड की माला।''

अथवा

(1) ''इस युद्ध में जैसा पराक्रम पार्थ का देख गया,
इतिहास के आलोक में है सर्वथा ही वह नया।
करता पयोदों का प्रभंजन, शीघ्र अस्त-व्यस्त ज्यो,
करने लगे तब ध्वस्त अर्जुन शत्रु-सैन्य समस्त ज्यों।''